केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार)

श्री रमेश पाखरियाल 'निशंक', माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार एवं अध्यक्ष केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल, आगरा के संस्थान मुख्यालय आगमन पर अभिनंदन। अभिनंदन समारोह का शुभारंभ सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन (दीपोज्योति मंत्र) के साथ प्रारंभ हुआ। तत्पश्चात् स्वदेशी-विदेशी विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना व संस्थान गीत प्रस्तुत किया गया। मंचासीन अतिथियों का अभिनंदन पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र एवं स्मृति चिह्न देकर किया गया। इस अवसर पर माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री जी द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

स्वागत वक्तव्य में संस्थान के निदेशक प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय ने कहा कि श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक', मानव संसाधन विकास मंत्री के साथ-साथ हिंदी के बडे एवं प्रसिद्ध साहित्यकार के रूप में भी इस पद को सुशोभित करना गर्व की बात है। निदेशक ने संस्थान मुख्यालय आगरा एवं इसके आठ केंद्रों के माध्यम से हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं विकास को व्याख्यायित किया। संस्थान द्वारा निर्मित किए जा रहे विभिन्न अध्येताकोशों के बारे में बताया कि 51 अध्येता कोश निर्मित किए जा रहे हैं, जिसमें से 28 अध्येता कोश प्रकाशित हो चुके हैं।

मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार द्वारा हिंदी विश्वकोश श्रृंखला के अंतर्गत **विज्ञान विश्वकोश खंड** का लोकार्पण किया। पूर्वोत्तर सामग्री निर्माण विभाग द्वारा निर्मित किए जा रहे अध्येताकोशों के अंतर्गत **हिंदी मोनपा अध्येता कोश** का भी लोकार्पण किया गया। मोनपा अरुणाचल प्रदेश के तवांग क्षेत्र में बोली जाने वाली भाषा है।

श्री अनुपम श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष, सूचना एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग ने संस्थान की विभिन्न गतिविधियों एवं भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तृत परिचय दिया। स्वदेशी विद्यार्थियों द्वारा ओडिशी नृत्य, होजागिरि त्रिपुरी नृत्य, बम्बू नृत्य, राजस्थानी समूह नृत्य की प्रस्तुति दी गयी। तजाकिस्तान की छात्रा जमीरा ने ताजिकी नृत्य (एकल) की प्रस्तुत दी। श्रीलंका की कोकिला, अश्वनी, संदुनी ने सिंहली नृत्य प्रस्तुत किया।

हिंदी की शालीनता, स्वाभिमान एवं शक्ति की बिंदी है। यह सरल एवं सहज है, माधुर्य है, लालित्य है - यह वक्तव्य मानव संसाधन विकास मंत्री, श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने अपने उद्बोधन में दिया। मंत्री जी ने कहा कि हिंदी में ज्ञान है, विज्ञान है, अनुसंधान है। हिंदी भारतीय भाषाओं से शब्दों को लेकर और अधिक विकसित एवं संवर्धित हुई है।

मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार ने संस्थान के विद्यार्थियों से बात की। साथ ही विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार में अपना योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। छात्रों द्वारा दी गयी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की सराहना की। ***वसुधैव कुटुम्बकम*** की विचारधारा को आगे ले जाना व पूरी पृथ्वी हमारी माता है, पूरी दुनिया हमारी है, इस तरह का संदेश विद्यार्थियों को दिया।

उन्होंने कहा कि कमजोर व्यक्ति किसी को ताकत नहीं दे सकता, बल्कि वह देश एवं परिवार पर बोझ होता है। हमारी संस्कृति ***सर्वे भवन्तु सुखिनः*** की है। हिंदी हमें विश्व के प्राणियों से जोडती है। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आप सभी एक ऐसे संस्थान में आए हैं जहां से आपके जीवन को नए विचार एवं दिशा मिलेगी। आप यहां से हिंदी के योद्धा बनकर जाएं यही मेरा इच्छा है। पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम आजाद एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी जी के संस्मरण भी सुनाए। अच्छा सोचना, अच्छा बोलना और अच्छा करना ही परिणाम को सुखद बनाता है। इस कार्यक्रम में प्रो. बीना शर्मा, प्रो. हरिशंकर, डॉ. सतवीर सिंह, डॉ. सपना गुप्ता, डॉ. राजबली पाठक, श्री केशरीनंदन आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद डॉ. ज्योत्स्ना रघुवंशी द्वारा किया गया।